5. फुटबॉल

प्रश्न

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. वे क्या कर रहे हैं?
3. वे एक-दूसरे से क्या कह रहे होंगे?

उददेश्य

निबंध विधा से परिचित कराते हुए निबंध लेखन की प्रेरणा देना।

छात्रों के लिए सूचनाएँ

1. पाठ का चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए और पाठ समझिए।

SCERT TELANGANA

फुटबॉल प्रायः हमारे सभी स्कूलों में खेला जाता है। फुटबॉल मिला और लेकर खेलने निकल गये। यों भी हम लोग वॉलीबाल तो खेलते ही आये हैं। इस तरह खेलते-खेलते फुटबॉल भी खेलने का शौक पैदा हो गया और फुटबॉल मेरा प्रिय खेल बन गया।

क्या दिन, क्या रात, क्या खेत, क्या मैदान, जब समय मिला, मैं हूँ और मेरा फुटबॉल। शुरू-शुरू में तो मैं अकेला ही फुटबॉल खेलता रहा। तब यह मेरे लिए खिलौना था। बाद में मालूम हुआ कि यह तो सबकी चीज़ है। अनोखी चीज़ है। हाँ! फुटबॉल सबकी चीज़ है। दो टीमें खेलती हैं। हज़ारों लोग देखते हैं।

फुटबॉल का खेल अकेले एक आदमी का खेल नहीं। यह टीम का खेल है, मिलजुलकर खेलने का खेल है, यह ताक़त और सावधानी का खेल है, यह चुस्ती का खेल है, यह नज़र का खेल है। फुटबॉल पर नज़र, साथियों पर नज़र, विपक्षियों पर नज़र, गोल पर नज़र, लाइन पर नज़र, समय पर नज़र, अपने पर नज़र। यह ऐसा खेल है जिसमें एक की ताक़त सबकी ताक़त है और एक की कमज़ोरी सबकी कमज़ोरी है।

फुटबॉल सचाई का खेल है। यह प्रेम का खेल है। इसमें जो वैर-भाव रखे, वह खिलाड़ी नहीं। दो पक्ष हैं, एक जीतेगा और दूसरा हारेगा। इसमें नाराज़गी या वैर-भाव की क्या बात? इस बार हारोगे तो अगली बार जीतोगे। जीतने की कोशिश करो। विपक्षी अगर जीतता है तो उसके खेल को समझो और उसकी सराहना करो। अपनी हार से भी सीखो और अपनी जीत से भी सीखो।

आज तक मैंने किसी बड़ी टीम में नहीं खेला, पर एक दिन मैं अपने ही देश की किसी बड़ी टीम में ज़रूर खेलूँगा। यहीं नहीं, मैं बाहर भी खेलना चाहता हूँ। आज नहीं तो कल मेरी इच्छा ज़रूर पूरी होगी।

SCERT TELANGANA

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया

(अ) प्रश्नों के उत्तर बताइए।

1. 'खेलों से मनोरंजन होता है।' अपने विचार बताइए।
2. अपने मनपसंद खेल के बारे में बताइए?

(आ) पाठ के आधार पर वाक्यों को उचित क्रम दीजिए।

1. जीतने की कोशिश करो। ( )
2. यह प्रेम का खेल है। ( )
3. फुटबॉल सचाई का खेल है। (1)
4. इस बार हारोगे तो अगली बार जीतोगे। ( )

(इ) अनुच्छेद पढ़िए। दो प्रश्न बनाइए।

खेल बच्चों के जीवन का अनोखा अंग है। इससे मानसिक और शारीरिक विकास होता है। खेलों से मानसिक थकान दूर होती है। जीवन परिश्रमी बनता है। शरीर स्वस्थ रहता है। इसलिए खेलों को अपने जीवन में महत्व देना अनिवार्य है।

(ई) प्रश्नों के उत्तर तीन वाक्यों में दीजिए।

1. फुटबॉल खेल में गोल रक्षक का क्या महत्व है?
2. किसी भी खेल में नेतृत्व भावना की क्या भूमिका होती है?

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता

(अ) प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. खेलों से किन गुणों का विकास होता है?
2. आपको कौन-सा खेल पसंद है और क्यों?
3. पढ़ाई के साथ-साथ खेलों की आवश्यकता क्यों होती है?

(आ) 'फुटबॉल' पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(इ) किसी एक खेल के बारे में लिखिए।

(ई) 'हार-जीत खेल का एक हिस्सा है।' इस पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

भाषा की बात

(अ) उदाहरण देखिए। उसी तरह के दो वाक्य बनाइए।

उदाहरण : कोई हारता है तो कोई जीतता है।

SCERT TELANGANA

(आ) नीचे दिये गये शब्दों के पर्यायवाची लिखिए। मूल शब्दों से वाक्य प्रयोग कीजिए।

साथी, प्रेम, इच्छा

(इ) वाक्य पढ़िए और अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद समझिए।

1. लड़का मैदान में फुटबॉल खेलता है।	- विधानार्थक वाक्य
2. आप मैदान में फुटबॉल खेलिए।	- आज्ञानार्थक वाक्य
3. हमें फुटबॉल खेलना चाहिए।	- इच्छार्थक वाक्य
4. आप क्या खेलते हैं?	- प्रश्नार्थक वाक्य
5. समय मिलता तो हम फुटबॉल खेलते।	- संकेतार्थक वाक्य
6. लड़का मैदान में खेलता होगा।	- संदेहार्थक वाक्य
7. वाह! फुटबॉल अच्छा खेल है।	- विस्मयार्थक वाक्य
8. सड़क पर फुटबॉल खेलना मना है।	- निषेधार्थक वाक्य

(ई) वाक्य पढ़िए। अर्थ की दृष्टि से वाक्य पहचानिए।

1. फुटबॉल सचाई का खेल है।
2. मैदान में फुटबॉल खेलना चाहिए।

परियोजना कार्य

खो	क्रि	आ	क	टे
खो	के	हा	की	नि
फु	ट	बॉ	ल	स

वर्ग-पहेली में खेलों के नाम छिपे हैं। उन्हें पहचानिए। किसी एक के बारे में जानकारी इकट्ठा कीजिए।

विचार-विमर्श

हारने के बाद कई बार लोग हमारा मज़ाक उड़ाते हैं या ताने कसते हैं। जो ऐसा करते हैं वे अपना स्वभाव और चरित्र हमें दिखा रहे हैं, उनकी बातों को अनसुना करना ही अच्छा है। यदि कोई आपको चिढ़ाता है तो आप क्या करते हैं?

स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन और मस्तिष्क का निवास होता है।

SCERT TELANGANA